Q. नेपोलियन बोनापार्ट के सुधारों पर प्रकाश डालें ?

Ans:— नेपोलियन ने जिस समय फ्रांस में प्रथम कान्सल का पद ग्रहण किया, उसके समक्ष अनेक समस्याएँ विद्यमान थी। फ्रांस की क्रांति तथा उसके बाद के दस वर्षों में उत्पन्न अराजकता एवं अव्यवस्था के कारण फ्रांस की स्थिति दयनीय थी। फ्रांस की पुरानी सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक व्यवस्था नष्ट हो गई थी। अतः नेपोलियन के लिए यह आवश्यक था कि वह एक नवीन एवं सुदृढ़ व्यवस्था की स्थापना करे ताकि फ्रांस की स्थिति को सुधारा जा सके। नेपोलियन ने ऐसी विषम परिस्थिति में एक कुशल प्रशासक होने का परिचय दिया था तथा अनेक सुधारों के द्वारा उसने फ्रांस की स्थिति में सुधार किया। नेपोलियन की सुधारवादी नीति में चार तथ्यों पर विशेष बल दिया गया था। ये थे— केन्द्रीयकरण, आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना, समझौता करना तथा सक्षम प्रशासन।

अतः नेपोलियन बोनापार्ट ने प्रथम कांउसल के रूप में निम्नलिखित सुधार किये:—

(1) सामाजिक समानता:— (Social Equality):— नेपोलियन ने स्वतंत्रता (Liberty) की अपेक्षा समानता (Equality) को अधिक महत्व दिया। नेपोलियन ने उच्च व निम्न वर्गों के भेद को समाप्त कर दिया। अपनी योग्यता के बल पर कोई भी व्यक्ति शासन के समस्त पदों को प्राप्त कर सकता था। इसके अतिरिक्त नेपोलियन ने फ्रांस से भागे हुए कुलीनों एवं पादरियों के विरुद्ध पारित किये गये कानूनों का अन्त करके उन्हें क्षमा प्रदान ~~की~~ कर दी जिससे 40 हजार से भी अधिक परिवार फ्रांस में पुनः आ गए।

(2) प्रशासन में सुधार (Reforms in the Administration):— नेपोलियन ने ~~प्रशासनिक~~ प्रशासनिक व्यवस्था को सुधार रूप प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक सुधार किये। उसका मानना था कि "फ्रांस के लोग स्वतंत्रता के नहीं, बल्कि समानता के इच्छुक हैं।" अतः उसने 1800 ई० में प्रशासन के सम्पूर्ण शक्ति को उसने अपने हाथों में केन्द्रित कर

लिया। इस प्रकार वह प्रशासन में कोई भी सुधार कर सकता था। उसने एक नवीन कानून बनाया जिसके द्वारा स्थानीय संस्थाओं को केन्द्र के अधीन कर दिया गया। अब प्रत्येक विभाग प्रीफेक्ट के, जिला उप प्रिफेक्ट तथा कम्यून मेयर के अधीन होता था। इन सभी पदाधिकारियों की नियुक्ति नेपोलियन ने स्वयं की था उन्हें केन्द्र के अधीन कार्य करना था। इन अधिकारियों की सहायता के लिए "निर्वाचित परिषदों" की भी स्थापना की गई जिसका कार्य प्रमुख तथा अपने स्थानों के लिए राष्ट्रीय करों को तय करना था। इस प्रकार नेपोलियन ने केन्द्रीय कानून को लागू कर प्रशासनीक व्यवस्था को सुधार एवं समान बनाया। नेपोलियन की इस नीति के विषय में हाल तथा रोज ने लिखा है— "इस प्रकार फ्रांस के स्थानीय प्रशासन के स्थान पर प्रशासनीक निरंकुशता की स्थापना हुई जिसने राजनीतिक निरंकुशवाद के मार्ग को प्रशस्त किया।"

(3) सार्वजनिक कार्य (Public Works):— नेपोलियन ने प्रथम कौन्सल के रूप में अनेक सार्वजनिक कार्य करवाये। नवीन सड़कों का निर्माण किया गया तथा पुरानी सड़कों को सुधारा गया। सिंचाई के उद्देश्य से नहरों की भी व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त, पेरिस के सौन्दर्यीकरण का कार्य भी इन वर्षों में नेपोलियन ने कराया। अनेक सुन्दर भवनों का निर्माण, सड़कों के किनारे छायादार पेड़ तथा सुन्दर सड़के इसी उद्देश्य से बनवायी गई। राज महलों को भी सुसज्जित किया गया तथा विभिन्न देशों से लाई गई कलाकृतियों का संग्रह भी फ्रांस में नेपोलियन द्वारा कराया गया।

(4) न्याय तथा दण्ड व्यवस्था (Judiciary and The Punishment):—

नेपोलियन ने न्याय एवं दण्ड व्यवस्था को सुधारने के भी व्यापक प्रयास किए। अनेक सिविल एवं दण्ड न्यायलयों की स्थापना की गयी। न्यायधीशों की नियुक्ति का कार्य नेपोलियन स्वयं करता था। इस प्रकार न्याय व्यवस्था को भी केन्द्र के ही अधीन किया गया। नेपोलियन का दण्ड विधान बहुत कठोर था। साधारण अपराधों के लिए भी मृत्युदण्ड की व्यवस्था थी। नेपोलियन ने क्रान्तिकारियों को पकड़ने के लिए मुद्रित पत्रों का पुनः प्रचलन किया। नेपोलियन ने जूरी की प्रथा भी प्रारम्भ की। नवीन दण्ड व्यवस्था में यह भी व्यवस्था की गयी कि कोई भी मुकदमा गुप्त रूप से नहीं हो सकता था। इस व्यवस्था की एक कमी यह थी कि अवैध कारावास को रोकने के लिए कोई प्रबंध नहीं किया गया था।

5. प्रतिष्ठा मण्डल की स्थापना :— इसके अन्तर्गत योग्यता के आधार पर इस मण्डल में कुलीनों को सम्मिलित किया जाता था। यह कार्य नेपोलियन ने फ्रांसीसियों में स्वयं के प्रति आदर की भावना जागृत करने के उद्देश्य से किया था। यह उपाधि केवल उन्हीं लोगों को दी जाती थी जिन्होंने कोई असाधारण अथवा वीरतापूर्ण कार्य किया हो। किसी अयोग्य व्यक्ति को चाहे वह किसी भी परिवार अथवा वंश का क्यों न हो, यह सम्मान प्रदान नहीं किया जाता था। इसी प्रकार भूमिखण्डों के पुरस्कार द्वारा उसने एक नवीन कुलीनता का विकास किया।

6. प्रेस पर प्रतिबन्ध :— नेपोलियन ने प्रेस की स्वतन्त्रता पर प्रतिबन्ध लगा दिया। प्रेस अपनी इच्छा से कुछ भी छापने के लिए स्वतन्त्र नहीं थी। प्रेस पर नियन्त्रण रखने के लिए दो सेन्सर बोर्ड नियुक्त किए गए थे। इस कारण अनेक अखबारों का प्रकाशन बन्द हो गया।

7. सैन्य व्यवस्था (Military Organization) :—

नेपोलियन ने सैन्य व्यवस्था में भी सुधार किए। उसने सैनिक सेवा को अनिवार्य बना दिया तथा अनेक देशों में उन्हीं के खर्चे पर सेना रखकर फ्रांस की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया।

(8) शिक्षा के क्षेत्र में सुधार :- (Educational Reforms) नेपोलियन शिक्षा के महत्व से अच्छी तरह परिचित था। अतः उसने शिक्षा का राष्ट्रीयकरण कर दिया। नेपोलियन का मानना था कि शिक्षा पर राज्य का पूर्ण नियन्त्रण परिवर्तन के लिए आवश्यक है। अतः 1802 ई० में नेपोलियन ने शिक्षा पर राज्य का पूर्ण नियन्त्रण परिवर्तन के लिए आवश्यक है। अतः चर्च को चर्च के हाथों से निकलकर राज्य के अधीन कर दिया। तत्पश्चात् नेपोलियन ने चार प्रकार की शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की।—

(i) प्राइमरी स्कूल (Primary School) :— प्रत्येक कम्यून में प्राइमरी स्कूल खोले गए जिनका उत्तरदायित्व प्रीफेक्ट अथवा उप-प्रीफेक्ट पर होता था।

(ii) माध्यमिक अथवा ग्रामर स्कूल (Grammar School) :— माध्यमिक विद्यालयों की संख्या बहुत अधिक थी। इनमें कला, भाषा, विज्ञान व फ्रेंच भाषा की शिक्षा दी जाती थी।

(iii) हाई स्कूल (High School) :— इन स्कूलों की संख्या कम था तथा इन्हें बड़े नगरों में खोला गया था। इन स्कूलों के अध्यापकों की नियुक्ति व वेतन सरकार देती थी।

(iv) विशेष स्कूल (Special School) :— विशेष स्कूल की व्यवस्था की गयी थी। प्रथम, जिनमें कला तथा विज्ञान की शिक्षा दी जाती थी; द्वितीय, जिनमें व्यवसायिक शिक्षा का प्रबन्ध उदाहरणार्थ सैनिक स्कूल, सिविल सेवा स्कूल इत्यादि।

उपरोक्त सुधारों के अतिरिक्त अध्यापकों को अध्ययन कार्य में शिक्षित बनाने के लिए प्रशिक्षण केन्द्र की भी स्थापना की गयी। 1808 ई. में पेरिस में एक विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी थी जिसमें लैटिन, फ्रेंच, साधारण विज्ञान तथा गणित इत्यादि की शिक्षा दी जाती थी। नेपोलियन ने सभी विद्यालयों में राष्ट्रप्रेम व देश-भक्ति की शिक्षा अनिवार्य कर दी। नेपोलियन ने राजनीति एवं नैतिक विज्ञान विषयों को बन्द करवा दिया।

(9) आर्थिक सुधार :- फ्रांस की आर्थिक स्थिति लुई xvi के शासनकाल से खराब हो चुकी थी तथा वह निरन्तर बिगड़ती जा रही थी। डाइरेक्टरी के शासन में फ्रांस की आर्थिक स्थिति में किसी प्रकार का सुधार नहीं हुआ था। डाइरेक्टरी के शासन में फ्रांस की स्थिति में किसी प्रकार का सुधार नहीं हुआ था। प्रथम कान्सल बनने के बाद नेपोलियन ने इस ओर विशेष ध्यान दिया। सर्वप्रथम, कर वसूलने के कार्य केन्द्रीय सरकार को सौंप कर बेकारों को कार्य दिलाने का प्रबन्ध किया गया। फ्रांस की साख दृढ़ करने उद्देश्य से बैंक ऑफ फ्रांस की स्थापना की गयी। बैंक ऑफ फ्रांस के संगठन व कार्यप्रणाली को प्रसिद्ध बैंक शास्त्री परेगो से तैयार करवाया गया। 1803 ई० में बैंक ऑफ को नोट छापने का कार्य भी दे दिया। नेपोलियन द्वारा बैंक ऑफ फ्रांस की स्थापना करना आर्थिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण था। हेज ने नेपोलियन ने इस कार्य की प्रशंसा करते हुए लिखा है, "नेपोलियन की वित्तीय पुनर्संगठन की सर्व-प्रमुख सफलता बैंक ऑफ फ्रांस की स्थापना थी जो उसी समय से विश्व की सबसे सुदृढ़ वित्तीय संस्था रही है।

(10.) धार्मिक सुधार (Religious Reforms) :-

फ्रांस की जनता चर्च की विरोधी थी। उनका विचार था कि चर्च का कार्य ~~जन~~ जनसाधारण का शोषण करना ही है। चर्च में सुधार करने की दृष्टि से 'पादरी - विधान' पारित किया गया था, किन्तु अधिकांश जनता इस विधान के विरुद्ध थी। अतः प्रथम कान्सल बनने के पश्चात् नेपोलियन ने पोप से जुलाई 1801 ई० में समझौता कर लिया। इस समझौते को कांकार्डट कहा जाता है। हेजन ने लिखा है "उसका (नेपोलियन का) विचार था धर्म की बागडोर भी शासक के हाथों में ही होनी चाहिए। एक बार उसने कहा था, 'बिना इसके शासन करना असम्भव ~~था~~ है।' इसलिए उसने पोप के साथ संधि कर ली। उसका कहना था कि यदि पोप पहले से न होता तो इस अवसर के मुझे पोप बनना पड़ता।

(11) सिविल कोड की स्थापना (Civil Code) :-

इस समय फ्रांस में अनेक कानून थे, किन्तु कोई एक सुनिश्चित संहिता नहीं थी। नेपोलियन ने इस कार्य में व्यक्तिगत रुचि ली तथा ~~। इसी कारण इसे नेपोलियन संहिता भी कहा जाता है~~। 1804 ई में 'सिविल कोड' तैयार करवाया। नेपोलियन का यह कार्य उसकी महान उपलब्धि थी। इसी कारण इसे नेपोलियन संहिता भी कहा जाता है। स्वयं नेपोलियन ने इस संहिता के विषय में घोषणा की थी, "मेरे कानूनों का संग्रह मेरी विजयों से अधिक स्थायी रहेगा।"

अतः इनके अलावा बहुत से क्षेत्रों में सुधार किया उनके द्वारा किये गये सुधार आज भी फ्रांस में देखने को मिलते हैं।